PG/IIIS/HIN/301/24

M.A. 3rd Semester Examination, 2024

HINDI

(*हिंदी उपन्यास*)

PAPER – HIN-301

Full Marks : 50

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10 × 2

(क) "'गोदान' कृषक जीवन की त्रासदी का ज्वलंत दस्तावेज है ।"–इस कथन की विवेचना सोदाहरण कीजिए ।

(ख) प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास पर प्रकाश डालिए ।

(*ग*) " 'मैला आँचल' में फूल भी हैं शूल भी, धूल भी है, गुलाब भी, कीचड़ भी है, चंदन भी, सुन्दरता भी है, कुरूपता भी"–इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(*घ*) "शकुन और अजय तो आपसी तनाव की असहनीयता से मुक्त होने के लिए एक–दूसरे से मुक्त हो जाते हैं, लेकिन बंटी क्या करे ?" आलोचनात्मक उत्तर लिखिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के यथानिर्देश उत्तर लिखिए : 5 × 4

(*क*) "संसार में सबसे बड़े अधिकार सेवा और त्याग से मिलते हैं और वह आपको मिले हुए हैं । उन अधिकारों के सामने वोट कोई चीज नहीं ।"

यह उक्ति किसकी है और किसके प्रति है ? इसका निहितार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(*ख*) "ऊचाई के हिसाब से आवाज दसगुना भारी । अजीब चाल, मानो लुढ़क रहा हो । अज्ञात कुलशील । जन्मजात साधु । जिस ओर होकर गुजरता, लोगों की निगाहें बरबस अटक जाती ।"

यह किस पाठ का अंश है और उसके लेखक कौन हैं ? संबध पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

(ग) "पता नहीं कब तक वह आधी सोती आधी जगती स्थिति में पड़ा रहा कि अचानक ही भीतर से सब लोग एक साथ ही आते दिखाई दिए । उसने झट–से आँखें मूँद लीं । धीरे–धीरे पैरों की आवाजें पास आ रही हैं ।"

'उसने' कौन है ? इस अंश का प्रसंग स्पष्ट कीजिए । वे सब कौन हैं जिनके पैरों की आवाजें पास आ रही हैं । सम्बद्ध पात्र ने क्यों आँखें मूँद लीं ?

(घ) विशाल मैदान !...वंध्या धरती !...यही है वह मशहूर मैदान–नेपाल से शुरु होकर गंगा किनारे तक–वीरान, धूमिल अंचल ।

– ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए ।

(ङ) पता नहीं कैसे क्या हुआ कि उसके भीतर दो आँखे और उग आईं और उसके बाद से ही सबकुछ गड़बड़ हो गया । बाहर की आँखों से वह एक चीज देखता है तो भीतर की आँखें दूसरी चीज देखने लगती हैं । कभी भीतर की चीजें बाहर की चीजों को दबोच लेती हैं तो कभी बाहर की भीतर की चीजों को ।

प्रस्तुत अंश का निहितार्थ प्रसंग सहित स्पष्ट कीजिए ।

(च) "इस जमाने में मोटा होना बेहयाई है। सौ को दुबला करके तब एक मोटा होता है। ऐसे मोटेपन में क्या सुख ? सुख तो तब है कि सभी मोटे हों।"

यह उक्ति किस पाठ की है ? इसके श्रोता-वक्ता कौन हैं ? इसकी व्याख्या कीजिए।

[Internal Assessment — 10 Marks]